अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : नवम्बर/दिसम्बर 2018

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम

विषय : तबला - पखावज (द्वितीय प्रश्नपत्र)

दि. 11/11/2018 समय : दोपहर 2 से 5 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (१) किन्ही **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(२) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र. 1. तबला/पखावज के घराने बताकर, इस वर्ष के पाठ्यक्रम में से अपने मनपसंद घराने की विस्तृत जानकारी दीजिए तथा उसकी दुसरे घराने के साथ तुलना करे। (9+6=15)

प्र. 2. तबला/पखावज की उत्पत्ति के बारे में बताकर आधुनिक युग में उसमें आए परिवर्तन के बारे में चर्चा करें। (7+8=15)

प्र. 3. तबला/पखावज वादन में दाए-बाएं का संतुलन बनाने के लिए आवश्यक रियाज पध्दति की चर्चा करें। (15)

प्र. 4. पेशकार, कायदा, रेला इन विस्तारशील रचनाओं का एकल तबला-वादन में स्थान एवं महत्व। (5X3=15)

अथवा

स्तुति परन, बोल-बाँट, आदेशी परन का एकल पखावज वादन में स्थान एवं महत्व। (5X3=15)

प्र. 5. ''तिटकत गदिगन धाऽतीन्धाऽ'' इस पंक्ति के आधार से तीन ताल में अलग-अलग मात्राओं से तिहाई बनाकर सम पर आए। (बोध : उपरोक्त पंक्ति में से कोई भी बोल निकाला नही जाएगा या उसमें लिया नही जाएगा। पुरी पंक्ति को लेकर ही तिहाई होगी) कुल पाँच तिहाईयाँ बनानी है। (5×3=15)

प्र. 6. निम्नलिखित तालों में ''तिटकत गदिगन'' और ''धाऽतिरकिटतक ताऽतिरकिटतक'' इन बोलों के आधार से एक दमदार और एक बेदम तिहाई लिपिबध्द कीजिए।
तबला : झपताल, आडा चौताल, त्रिताल।
पखावज : तेवरा, सूलताल, आदिताल। (5×3=15)

प्र. 7. निम्नलिखित तबला/पखावज वादकों का जीवन परिचय तथा सांगितिक योगदान के बारे में लिखिए। (कोई दो) :

तबला – पं. कंठे महाराज
– उ. इनामअली खाँ
– उ सलारी खाँ

पखावज – पं. पुरुषोत्तम दास
– पं. सखारामजी गुरव
– पं. माधवराव अलगुटकर (7 1/2 ×2=15)